(ख) ऐसे अनुवाद के लिए छांटी गई 59 पुस्तकों के नामों की एक सूची सभा पटल पर रख दी गयी है। [ग्रन्थालय में रखा गया। देखिए संख्या LT 1990/72] प्रत्येक पुस्तक का अनुवाद पूरा करने में कितना समय लगेगा यह बात काम लेने के लिए, उपयुक्त व्यक्तियों के मिलने, पुस्तक के आकार और उसके विषय की गम्भीरता तथा संबंधित अनुवादक द्वारा अपेक्षित समय पर निर्भर करती है।

(ग) अनुवाद का काम स्कीम के प्रभावपूर्ण परिपालन के लिए सरकार को सलाह देने के वास्ते बनाई गई मूल्यांकन समिति की सिफारिशों के आधार पर चुने गए व्यक्तियों को सौंपा जाएगा। ऐसे व्यक्तियों को जिनके पास अच्छी विधि की उपाधि हो, जो हिन्दी भाषा में तथा संबंधित पुस्तक के विषय में प्रवीण हों और जिनको विधि साहित्य का हिन्दी में अनुवाद करने का पर्याप्त अनुभव हो, इस काम के लिए पात्र समझा जायेगा। और उन पर विचार किया जाएगा। ऐसे प्रत्येक व्यक्ति से जो किसी पुस्तक का अनुवाद करने के लिए चुना जाता है और अनुवाद करने के लिए राजी है, अपेक्षित होगा कि इस प्रयोजन के लिए सरकार के साथ एक करार करे। पुस्तक के अनुवाद के लिए पारिश्रमिक रायल आक्टेवो आकार के प्रत्येक मुद्रित पृष्ठ के लिए दस रुपये की दर पर दिया जाएगा। किन्तु यह प्रति पुस्तक अधिक से अधिक 5000 रुपये या 5000 रुपये से अनाधिक और 2000 रुपये से अन्यून की एक मुक्त राशि के बराबर होगा जो बात पुस्तक के आकार और विषय की गम्भीरता पर निर्भर करेगी।

Short-Fall in exports since U.N.C.T A D held in New Delhi

5533 SHRI ANADI CHARAN DAS Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state

(a) whether the progress of India's foreign trade since the New Delhi U N. C. T A D has been disappointing and export earnings have registered big shortfalls

(b) whether export of commodities to various foreign countries are subject to import duties, quota restrictions etc and

(c) the steps proposed to be taken to have these restrictions removed ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI A C. GEORGE) (a) No Sir, There has been no shortfall in our exports since the New Delhi UNCTAD. The following figures would indicate that there has been a continuous upward trend in our exports

Year	(Rs crores) Exports
1967 68	1198 69
1968 69	1357 87
1969 70	1413 28
1970-71	1535 16

(b) and (c) Yes Sir, a number of commodities of export interest to the developing countries are subject to tariff and non-tariff barriers in the markets of developed countries, and concerted efforts are being made in the forums of UNCTAD and GATT for removal of those restrictions The adoption of the scheme of Generalised Preferences which has enabled a large number of manufactures and semi-manufactures of developing countries to gain preferential access to the markets of developed countries, is a positive outcome of these efforts.